लागत लाभ का विश्लेषण

यह एक पुराना राजमार्ग है, जिस पर पत्थर की गिट्टी, बोल्डर, सीमेन्ट, स्टील, पेट्रोलियम पदार्थ, बालू, अनाज व कृषि इत्यादि के वितरण एवं खदान उद्योग से सम्बन्धित विभिन्न वाहनों का आवागमन बढ़ जाने के कारण मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण आवश्यक है। मार्ग का विकास 4–लेन स्तर पर सार्वजनिक–निजी–सहभागिता से किया जाना है। परियोजना की लागत 223.14 करोड़ आकलित की गई है। इस परियोजना के निर्माण से क्षेत्रीय जनता उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश के यातायात के आवागमन से सुविधा होगी तथा क्षेत्र का तीव्र गति से विकास होगा।

(पी०एन० श्रीवास्तव)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०, उरई
जनपद – जालौन